वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 185 | शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गोशालाओं में किया गौ पूजन

गौ सेवा के लिए समर्पित होकर करें काम

मुख्यमंत्री बोले- सनातन संस्कृति में गौ माता का पूजनीय स्थान, राज्य सरकार गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्रीभजनलाल शर्मा ने कहा कि गौ माता का हमारी सनातन संस्कृति में पूजनीय स्थान है। गोपाष्टमी का पर्व हमें गौ माता की सेवा करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि गौ माता हमारा गौरव है तथा जीवन का आधार है। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि गौ सेवा के लिए समर्पित होकर कार्य करें, साथ ही गोशालाओं से जुड़कर गौ संरक्षण के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को गोपाष्टमी के अवसर पर मांग्यावास स्थित सद्गुरू टेऊँराम गोशाला तथा रेनवाल स्थित जोतड़ा गोशाला में आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गौ माता हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। गौ उत्पादों का पोषण और पंचगव्य का औषधीय महत्व सर्वविदित है। ऐसे में गौ पूजन धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और जीवन के प्रति आभार व्यक्त करने का एक माध्यम भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार गौ माता के संवर्धन एवं उन्नयन के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सरकार द्वारा प्रत्येक पंजीकृत गौ शाला को प्रति गाय 50 रुपये प्रतिदिन और छोटे बछड़ों के लिए 25 रुपये प्रतिदिन की सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि गौ संवर्धन के लिए बैलों से खेती करने वाले किसानों को भी 30 हजार रुपये प्रतिवर्ष अनुदान राशि दी जा रही है।

संत-महंतों का गौ सेवा में बड़ा योगदान

शर्मा ने कहा कि गौ माता के संरक्षण एवं संवर्धन में संत-मुनि-महंतों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने गौ माता की रक्षा और सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि गौ सेवा को अपने जीवन का आधार बनाए तथा सरकार के साथ मिलकर गौ संरक्षण के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री निवास पर गौ-पूजन कर प्रदेश के कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को गोपाष्टमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री निवास पर सपत्नीक गौपूजन कर प्रदेश के कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने तिलक लगाकर गौमाता को पुष्प अर्पित किए तथा माला पहनाई। मुख्यमंत्री ने गौमाता को गुड़ खिलाकर वस्त्र भी अर्पित किए। शर्मा ने कहा कि गोपाष्टमी भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व ही नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति की अमर धरोहर है। यह गौमाता के प्रति हमारे आदर, सेवा और संरक्षण की भावना का प्रतीक है। हमारी सरकार गौसंवर्धन, गौशालाओं के उन्नयन तथा गौपालकों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने आमजन से गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी, शपथ ग्रहण, पुरस्कार समर्पण समारोह संपन्न

147 विद्यालयों की स्थापना की पू. वर्णी जी ने: आचार्य विभवसागर

इंदौर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 विभव सागर जी महाराज ससंघ सान्निध्य में जैन कॉलोनी, नेमीनगर इंदौर में वर्णी संस्थान विकास सभा के तत्वावधान में राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ।कार्यक्रम के प्रारंभ में मंगलाचरण पं.रमेश शास्त्री अहमदाबाद ने किया। संगोष्ठी अध्यक्षता पं.जीवंधर शास्त्री जबलपुर सारस्वत अतिथि पं. जयंत शास्त्री सीकर अध्यक्ष , डॉ अरविंद जैन इंदौर, पं. दीपचंद जी भोपाल, पं. गजेंद्र शास्त्री इंदौर मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन पं चंद्रेश शास्त्री भोपाल आभार पं. करोड़ी लाल जी वण्डा माना। कार्यक्रम में योगदृष्टा स्मारिका एवं वर्णी संदेश मासिक पत्रिका का विमोचन किया गया। संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा वर्णी जी के व्यक्तित्व एवं आचार्य श्री विभव सागर जी महाराज के स्वर्ण जयंती पर भावांजलि पं.मनीष विद्यार्थी पं. राजकुमार कर्द, जिनेश शास्त्री इंदौर, राजकुमार शास्त्री जबलपुर, पं. अनिल जैन भोपाल, अरविंद शास्त्री सागर, पं.उदय चंद्र जैन विदिशा,मोहन जैन इंदौर,अपने लेख का वाचन किया एवं भावांजलि जी दी। आचार्य श्री द्वारा सभी नवीन अध्यक्ष पं. जयंत शास्त्री सीकर एवं पदाधिकारी, सदस्यों को शपथ दिलाई। वर्णी विकास सभा के लिए समर्पित रूप से कार्य करने वाले पं.कैलाश जैन शास्त्री टीला, अरविंद जैन महुना बण्डा, वर्णी विद्यालय मड़ावरा को राष्ट्रीय वर्णी प्रभावना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अंत में अध्यक्षीय भाषण में पं. जीवंधर शास्त्री जबलपुर में कहा कि हम लोग आज जिस स्थान पर है वह सब वर्णी जी की देन हैं, आज विद्वानों ने वर्णी जी के विषय में संस्मरण सुनाए हैं वह सभी प्रेरणा से भरे हुए हैं आचार्य श्री विभव सागर जी महाराज ने आशीष वचन देते हुए कहां की हमारी शिक्षा भी वर्णी वर्णी जी द्वारा स्थापित गुरुकुल मोराजी सागर में हुई और आज उपस्थित विद्वानों में हमारे सहपाठी भी हैं,उन्होंने वर्णी जी के अनेक संस्मरण सुनाए, सभी को आशीर्वाद देते हुए वर्णी जी के लिए बुंदेलखंड में ही नहीं पूरे राष्ट्र में उनके द्वारा किए कार्यों की प्रभावना करें। अंत में कार्यक्रम संयोजक एवं कार्याध्यक्ष डॉ अरविंद जैन द्वारा सभी का आभार व्यक्त करतें हुए कार्यक्रम का समापन किया।

प्रेषक : मनीष जैन विद्यार्थी सागर

राम चन्द्र जी को एक ही भाव आता था कि सदा सभी का कल्याण हो : मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

पारसनाथ जिनालय में हुई जगत कल्याण की कामना के लिए शान्तिधारा सत इन्द्रो से पूजीत होकर निकलेगी प्रभु की रथयात्रा : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

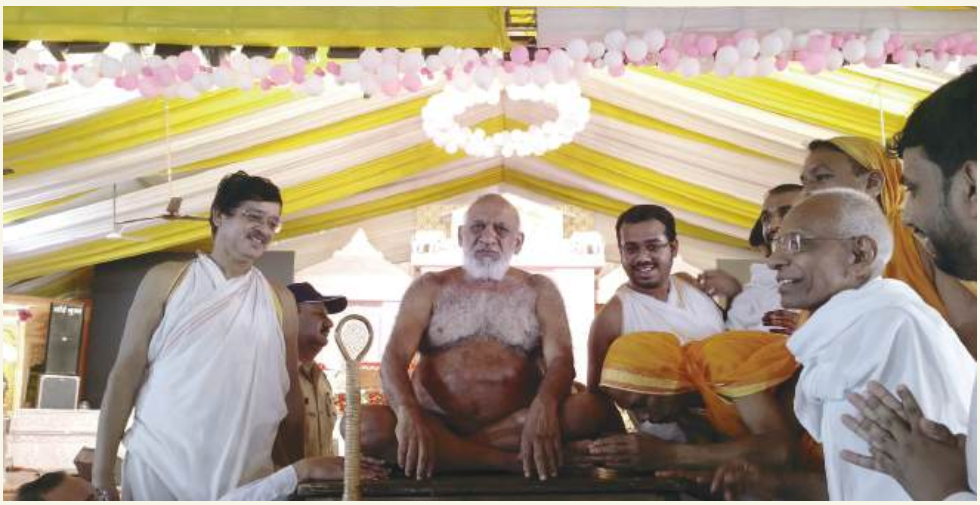

मां बाप से कला सिखों मुझे तो वो कला सिखाना है जो हमें जन्म जन्म तक सुरक्षित रखें। रहें अडोल अकंप निरन्तर यह मन दृढ़ तम वन जाये राम चन्द्र जी ने एक ही बात कही एक बार भी नहीं कहा कि मुझे एक छोटा सा राज्य दिलवा दे उन्होंने कभी नहीं कहा कि ये मेरा अधिकार है क्यों नहीं दिखाया अपने बेटे पन का अधिकार क्या मांग कथाये सुना नहीं करें कथाओं को गुना करें राम चन्द्र जी को एक ही भाव आता था कि मेरे मन में कभी ऐसा भाव नहीं आयें कि मैं दूसरो को आरोप दूं इसी का नाम है श्री राम।अरे राम चन्द्र जी महावीर नाम करने से कुछ नहीं होगा रामचंद्र जी उनके संकट के कारणों में कैकई को या मंथरा को एक बार भी नहीं सोचा यहां तक कि जव लक्ष्मण को शक्ति लगीं तो अपने प्राण देने की बात कर दी लेकिन माता केकैई को नहीं कोषा, मंथरा को दोषी नहीं ठहराया संकट में भी अडिग रहे।हम भी अपने आप को दृढ़ करें कि लोभ लालच में आकर भी कभी धर्म को नहीं छोडूंगा उनसे गुण नहीं चाहिए उनके बराबर गुण चाहिए उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

विशाल चक्रवर्ती रथयात्रा में सत इन्द्र से पूजित हो चलेंगे प्रभु: आज जिज्ञासा समाधान में जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि आज दो नम्बर को परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में चक्रवर्ती रथयात्रा को सत इन्द्र से पूजित करते हुए आगे बढ़ाया जायेगा। इस रथ यात्रा में करैरा शिवपुरी मुंगावली शाढ़ौरा पिपरई ईसागढ़ के साथ ही उत्तर प्रदेश के ललितपुर देवोदय तीर्थ देवगढ़ सतोदय तीर्थ ,शांतोदय तीर्थ के भी रथ आ रहे हैं । इसके साथ ही खनियांधाना से विशेष रेजीमेंट आ रही है जो लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहेगी।

धन दौलत कभी पुण्य से नहीं कमाया जाता: धन दौलत कभी पुण्य से नहीं कमाया जाता है किसी ना किसी आत्मा को दुःख देकर धन कमाया जाता है धन दौलत तो पाप करके ही आतीं हैं धन कमाने में पाप होता ही हैमिलते हुए छोड़ देना सदभाव में अभाव सब कुछ देने को तैयार हैं लोग हाथों में लिए खड़े हैं फिर भी नहीं ले रहें बाप बेटे से कहता है कि मैं तो हूं हमने तुम्हारे लिए सब कुछ कमा कर रख दिया तुम्हारे लिए सबसे प्रिय लगता है जो तुम्हारे लिए सहयोग करता रहें तू अपनी चिंता छोड़ दें मैं हूं ना। इतना कहते ही व्यक्ति के अंदर नई ऊर्जा आ जाती है पर हमें भगवान से गुरु से मित्र से सहयोग नहीं लेना हमें अपने आप काम करना है नहीं मैं तुम्हें अपने पैरों पर चलना सिखाऊंगा । गिरने से डरना नहीं है दो चार बार गिर जा कोई बात नहीं गिर कर ही तो सिखते है।

अज्ञान और मोह, दुख का मूल कारण, चिंतन ही समाधानः युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

पनवेल. शाबाश इंडिया

संसार के सभी दुखों का एक ही निदान है ,या तो वह अज्ञान है, या फिर अभिमान। हमारा अज्ञान और मोह ही हमारे दुःख का मूल कारण है। यह विचार गुरुवार को कापड़ बाजार जैन स्थानक में चातुमार्सार्थ विराजित श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी महाराज ने धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। युवाचार्य प्रवर ने उत्तराध्ययन सूत्र के 32वें अध्ययन 'अण्णाण मोहस्स विणाए' का संदर्भ देते हुए कहा कि अज्ञान और मोह के त्याग से ही राग-द्वेष का नाश होता है और एकांत सुख की प्राप्ति संभव होती है। उन्होंने कहा कि यह अज्ञान और मोह आज का नहीं, बल्कि अनादिकाल से मनुष्य के भीतर जड़ें जमाए हुए हैं। यही मोह व्यक्ति को सुख का भ्रम और दुख का जाल देता है। युवाचार्यश्री ने कहा मोह व्यक्ति को सुख का आभास तो कराता है, परंतु जब यह नशा उतरता है, तब असली पीड़ा का एहसास होता है। जैसे डॉक्टर मॉर्फीन देकर दर्द को कुछ समय के लिए भुला देता है, वैसे ही मोह हमें असली दुख से अस्थायी राहत तो देता है, पर यह सुख नहीं, केवल भ्रम है। उन्होंने कहा कि मोह बुद्धि को ढक देता है, विवेक को कमजोर करता है और आत्मा की ज्योति को मंद कर देता है। युवाचार्य प्रवर ने कहा मोह से मुक्त होना है तो गुरुओं के समीप रहो, सद्विचारों का सान्निध्य लो। ऐसे व्यक्तियों से दूर रहो जिन्हें अच्छा अच्छा नहीं लगता, जो सही मार्ग से भटकाते हैं। बुरे लोगों की संगत इंसान की सोच को दूषित कर देती है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा जहाँ नशा, मांस या दुर्व्यसनों का वातावरण हो, वहाँ कदम न रखो। काजल की कोठरी में जाओगे तो दाग लगे बिना नहीं रहोगे। संगति मनुष्य के भीतर के संस्कारों को बनाती या बिगाड़ती है। युवाचार्यश्री ने कहा कि स्वाध्याय का अर्थ केवल पढ़ना नहीं, बल्कि जो अच्छा सीखा जाए उसे जीवन में लागू करना है। हम बड़े मॉल में घूमकर कुछ न कुछ लेकर ही लौटते हैं, वैसे ही शास्त्रों से भी कुछ लेकर आओ – जो अच्छा है उसे अपनाओ, जो गलत है उसे त्यागो। शास्त्र तभी उपयोगी हैं जब वे जीवन में उतरें। उन्होंने कहा सुख का असली स्वाद एकांत चिंतन में है। थोड़ा रुककर, स्वयं के साथ रहकर, सूत्र और उनके अर्थ का मंथन करो। जैसे दही मथने से मक्खन निकलता है, वैसे ही चिंतन से ज्ञान, आनंद और आत्मिक सुख प्राप्त होता है। युवाचार्य प्रवर ने कहा चिंता मन को जकड़ देती है, जबकि चिंतन मन को चलायमान करता है। जहाँ सोच रुक जाए वह चिंता है, और जहाँ सोच आगे बढ़ती है वह चिंतन है। चिंता व्यक्ति को थकाती है, जबकि चिंतन उसे दिशा देता है। जो चिंतनशील है, वही जीवन में शांति का अनुभव कर सकता है। उन्होंने आधुनिक जीवन की ओर संकेत करते हुए कहा आज हम कॉपी-पेस्ट के युग में जी रहे हैं। पहले विद्यार्थी उत्तर खोजते थे, अब एआई उत्तर बना देता है। परिणाम तो मिल जाता है, पर अध्ययन का उद्देश्य, चिंतन - समाप्त हो गया है। पढ़ाई का अर्थ केवल अंकों से नहीं, बल्कि समझ और संवेदना से है। युवाचार्य प्रवर ने समुद्र मंथन का उदाहरण देते हुए कहा जैसे समुद्र मंथन से अमृत निकला, वैसे ही जीवन में चिंतन से समृद्धि और अमृत सुख की प्राप्ति होती है। आरंभ में विष निकलता है, पर अंत में अमृत ही प्राप्त होता है। उन्होंने कहा अज्ञान और मोह के आवरण को कम कर, सूत्र और अर्थ का चिंतन करने वाला साधक ही वास्तविक एकांत सुख प्राप्त करता है। चिंतन से ही शुद्धता, शांति और शाश्वत सुख का जन्म होता है। हितमित भाषी हितेंद्र ऋषिजी ने कहा वाणी ही मनुष्य की असली पहचान है। जब शब्द मयार्दा और विवेक से निकले हों, तब वे संबंधों में मधुरता और जीवन में सम्मान का स्थायी आधार बनते हैं। चातुर्मास समिति के मंत्री रणजीतसिंह काकरेचा ने बताया कि चेन्नई, पुणे, चंद्रपुर सहित कई नगरों से श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभा में अहमदनगर महिला मंडल, आकुर्डी महिला मंडल, थेरगांव श्रीसंघ, डोंबिवली श्रीसंघ, यवतमाल श्रीसंघ आदि प्रतिनिधि मंडल भी युवाचार्यश्री के वंदनार्थ एवं दर्शनार्थ विशेष रूप से पधारे।

-प्रवक्ता सुनिल चपलोत

'भाव सुधरे तो भव सुधरे' संसार में कर्मों से सदैव डरना चाहिए

पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार

जीवन में किसी से डरो या मत डरो कोई बात नहीं परंतु कर्मों से अवश्य डरना चाहिए। दुनिया में हर कोई माफ कर सकता है परंतु कर्म कभी माफ नहीं करता वह सिर्फ इंसाफ करता है यह सार्वभौमिक सत्य है इसको नकारा नहीं जा सकता।भगवान श्री राम को एक ही रात में राज भवन की सुख सुविधाओं को छोड़कर वन की ओर गमन करना पड़ा था ये सबसे बड़ा दृष्टांत है हम लोगों को समझने के लिए। भला का उल्टा लाभ दया का उल्टा याद होता है। जीवन में जितना हो सके भला करते जाए और आप दीन-हीन गरीब पर अपने हृदय की गागर से दया छलकाते बरसाते जाए । आप भला करेंगे तो कई गुना लाभ होगा । प्रकृति का यही नियम है जो दोगे वो ही मिलेगा यदि बबूल का बीज बोया है तो आम का फल नहीं मिलेगा। सृष्टि का यही नियम है कि जो बीज उसमें डाला जाता है वो उसका अनंत गुणा करके लौटाती है। जैसी करनी वैसी भरनी वाला सिद्धांत लागू है।जीवन में भावों का बड़ा महत्वपूर्ण स्थान है भाव सुधरे तो भव अपने आप स्वयं सुधर जाए। भाव और विचार ही जीवन की दिशा और दशा निर्धारित करते है। जैसा कहा भी गया है कि ₹जाकी रही भावना जैसी ता मूरत देखी तीन वैसी₹ भगवान की सच्चे भावो से भक्ति करना चाहिए। भावना ही भवो भवों के नाश का कारण बनती है अर्थात भव भव के बंधनों से छुटकारा दिलवाने ने कार्यकारी है। इस दुर्लभ चिंता मणि समान मानव पर्याय का एक एक पल बहुत मूल्यवान है। जिस तरह से हाथ में ली हुई रेत कब नीचे गिर जाती है हाथ खाली हो जाता है ठीक उसी प्रकार मानव जीवन बचपन जवानी वृद्ध होकर गुजर जाती है पता नहीं चलता।जीवन में महापुरुषों का जीवन चरित्र अवश्य पढ़ना चाहिए। इससे जीवन जीवंत हो जाता है जीवन में नव चेतना का संचार होता है।मुझे एक भजन की लाइन याद आ रही है ₹छोटा सा तू कितने बड़े अरमान है तेरे मिट्टी का तू सोने के सब सामान है तेरे मिट्टी की काया मिट्टी में जिस दिन समाएगी ना सोना काम आएगा ना चांदी आयेगी₹। जीवन में भावों को सदैव निर्मल बनाए रखे। सकारात्मक गतिशील रहे। अंत में यही मंगलमय भावना भाता हूं। भावना दिन रात मेरी सब सुखी संसार हो सत्य संयम शील का व्यवहार घर घर वार हो।

पिता के साए से वंचित बालिका के विवाह में किया सहयोग

विधायक श्रीमती भदेल के आग्रह पर महासमिति ने दी त्वरित सहायता

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवामहिला संभाग अजमेर द्वारा धोला भाटा अजमेर के स्लम एरिया नाग बाई कच्ची बस्ती में रहने वाली जरूरतमंद परिवार की महिला संपति धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री अजय कुमार जिनका करोना काल में स्वर्गवास हो गया था की बालिका जिसका विवाह आगामी दिनों में होने जा रहा है के विवाह एवं विवाह उपरांत गृहस्थ जीवन में कार्य में आने वाली सामग्री देकर सहयोग किया गया। समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि अजमेर दक्षिण की लोकप्रिय सेवाभावी विधायिका एवं राजस्थान सरकार की पूर्व महिला एवं बाल कल्याण विकास मंत्री श्रीमती अनिता भदेल ने श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर के अध्यक्ष अतुल पाटनी को इस जरूरतमंद परिवार के बारे में जानकारी दी। जिसे त्वरित सहायता देते हुए बालिका के विवाह में 11 साड़ियां,सलवार सूट,स्टील के बर्तन,सेलो के आइटम,घर सजावट की सामग्री,बेड शीट, ब्लैंकेट,कोट,घड़ी,स्वेटर, परिवारजन के कपड़े, प्रेस,कोठी,घड़े,चरन पादुका,सौंदर्य प्रसाधन सामग्री,चाय काफी सेट, सहित अन्य कई प्रकार की सामग्री देकर सहयोग प्रदान किया गया। युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि संरक्षक राकेश पालीवाल, अतुल पाटनी,मधु पाटनी,रेनू पाटनी,इंद्रा कासलीवाल,कमला जैन आदि का सहयोग रहा अंत में श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने सभी सेवा सहयोगियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

वेद ज्ञान

महसूस करो तो सब संभव है

अपनी खुशी या सफलता को अधिक संपत्ति, अधिक प्रसिद्धि, और अधिक गहन खुशी की ओर बढ़ाना संभव है? आशा और निराशा के इस लगातार चक्र में ऐसे भी समय होते हैं जब इसकी सरासर एकरसता द्वारा प्रतिकर्षित महसूस करते हैं। किसी व्यर्थ का पीछा करने के रोमांच से और अधिक आकर्षित नहीं हो पाने पर हम लंबे समय तक आराम करते हैं, लेकिन केवल आराम की ही चाह की जाती है तो क्या स्थायी शांति वास्तव में हमारी होगी। जो आराम हम बाहर पाते हैं, उदाहरण के लिए, सेवानिवृत्ति में, समुद्र पर, किसी शांत कॉटेज में, वह हमारे भावनात्मक सुख और दुःख की तरह अस्थायी हैं। जब हम शांति को उबाऊ के रूप महसूस करने लगते हैं तो यह समाप्त हो जाती है। जब ऐसा होता है, तो हम उत्साह के लिए अपनी पूर्व खोज पर एक बार फिर से निकल पड़ते हैं और इस प्रकार, यह असीमता से चलता जाता है। अस्तित्व में हर चीज अपने ध्रुवीय विपरीत से संतुलित होती है। गर्मी से ठंड, रोशनी अंधेरे से, और नकारात्मक से सकारात्मक संतुलित होते हैं। मानव जाति में, पुरुष और महिला, खुशी और गम, प्यार और नफरत के विपरीत में द्वंद्व पाया जाता है। जहां कोई गुणवत्ता मौजूद होती है, इसका पूरक विपरीत भी पाया जाता है। किसी सागर का समग्र स्तर इसकी सतह पर लहरों की ऊंचाई से नहीं बदलता है। जितनी अधिक ऊंची लहर होगी, उतनी ही गहरी इसकी गर्त होगी। हमारी आवश्यक चेतना, इसी प्रकार, हमारे भावनात्मक उतार-चढ़ाव से अप्रभावित रहती है। आनंद और दर्द, सफलता और विफलता, तृप्ति और निराशा - शांत, सहज महसूस की जा सकने वाली सतहों पर लहरें हैं। द्वंद्व का कानून हमारे जीवन में भी मौजूद होता है क्योंकि हमारी भावनाएं अहंकार चेतना के दंड से जुड़ी होती हैं, इसलिए प्रत्येक आनंद जिनका हम भावनात्मक रूप से अनुभव करते हैं, हमारी भावनाओं में बराबर और विपरीत दुःख से संतुलित किया जाना चाहिए। हर व्यक्तिगत सफलता को समान रूप से व्यक्तिगत असफलता से संतुलित किया जाना चाहिए; हर व्यक्तिगत संतुष्टि को संगत निराशा से संतुलित किया जाना

संपादकीय

किसानों की समृद्धि की नई राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय कृषि के परिदृश्य में एक नए और महत्वाकांक्षी अध्याय की शुरूआत हुई है। 24,000 करोड़ रुपए की लागत से शुरू की गई पीएम धन-धान्य कृषि योजना को ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की समृद्धि की दिशा में एक दूरदर्शी और ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है। यह योजना ऐसे समय में शुरू की गई है जब देश का किसान जलवायु परिवर्तन, घटती उत्पादकता, और बढ़ती लागतों के तिहरे संकट से जूझ रहा है। यह

पहल उन्हें नई आशा, आत्मविश्वास और संकटों से निपटने के लिए आवश्यक ढांचा प्रदान करने का कार्य करेगी। पीएम धन-धान्य कृषि योजना का मूल उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं है, बल्कि ग्रामीण कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है। सिंचाई का विस्तारः योजना का प्राथमिक लक्ष्य देश के हर खेत तक सुनिश्चित सिंचाई सुविधा पहुंचाना है। भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में आज भी लाखों किसान मानसून पर निर्भर हैं। जल प्रबंधन और सिंचाई के विस्तार के माध्यम से यह योजना खेती को स्थायित्व और सुरक्षा प्रदान करेगी, जिससे किसानों की अनिश्चितता कम होगी। आधुनिक भंडारण व्यवस्थाः भारत में हर वर्ष लाखों टन अनाज भंडारण की कमी के कारण खराब हो जाता है। इस योजना के तहत आधुनिक गोदामों, कोल्ड स्टोरेज और ग्रामीण स्तर पर वेयरहाउसिंग की व्यवस्था की जाएगी। इससे किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी और वे फसल को सही बाजार मूल्य मिलने तक बेचने का इंतजार कर पाएंगे, जिससे बिचौलियों पर उनकी निर्भरता कम होगी। सुलभ और सस्ता ऋणः छोटे और सीमांत किसान अक्सर बैंकिंग प्रणाली से दूर रहकर स्थानीय साहूकारों के शोषण का शिकार बनते हैं। यह योजना किसानों को सुलभ और कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराएगी। इससे वे आधुनिक बीज, कृषि यंत्र, और नई तकनीकों को अपनाने में सक्षम होंगे, जो उत्पादकता बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं। तकनीकी नवाचार को बढ़ावाः योजना का एक अन्य अहम आयाम कृषि में तकनीकी क्रांति लाना है। ड्रोन आधारित फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, मिट्टी परीक्षण, और जैविक खेती को प्रोत्साहन जैसी पहलें भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएंगी। यह कदम देश को डिजिटल एग्रीकल्चर के नए युग में ले जाने की क्षमता रखता है। सामाजिक-आर्थिक प्रभाव और दूरगामी परिणामः यदि यह योजना ईमानदारी, पारदर्शिता और राज्य सरकारों के सहयोग से सही दिशा में लागू होती है, तो यह केवल किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण पुनर्जागरण का आधार बनेगी। सिंचाई और आधुनिक तकनीक के विस्तार से कृषि उत्पादकता बढ़ेगी, जिससे किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य साकार हो सकेगा। रोजगार सृजनः कृषि को उद्योग से जोड़ने, फूड प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना और ग्रामीण स्तर पर भंडारण सुविधाओं के विकास से ग्रामीण युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सौन्दर्य, संभावनाएं एवं संवेदनाएं

ललित गर्ग

हर साल 31 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व शहर दिवस, शहरीकरण में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की रुचि बढ़ाने और इसकी चुनौतियों का समाधान करने के लिए देशों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस दिवस का उद्देश्य सतत विश्व नगर योजना को अधिक मानवीय, अपराधमुक्त और पर्यावरण संपोषक बनाना है। यह अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता बढ़ाने, सहयोग को बढ़ावा देने और समतामूलक, समृद्ध, टिकाऊ तथा समावेशी शहरों के निर्माण के वैश्विक प्रयासों में योगदान देता है, जो अपने समुदायों को बेहतर रहने का वातावरण प्रदान करते हैं। इस वर्ष विश्व शहर दिवस का वैश्विक आयोजन कोलंबिया के बोगोटा में 'जन-केंद्रित स्मार्ट सिटीज' थीम पर आयोजित किया जाएगा। यह थीम इस बात पर जोर देती है कि डिजिटल तकनीकों, डेटा-आधारित निर्णय लेने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग शहरी जीवन को बेहतर बनाने और वर्तमान संकटों से उबरने के लिए कैसे किया जा सकता है। निश्चित ही शहर उस उम्मीद का माध्यम बनें, जहाँ सौन्दर्य एवं संवेदनाएँ अनेक रूपों में बिछी हों। यह विषय इस बढ़ती मान्यता को दर्शाता है कि डिजिटल तकनीकों की परिवर्तनकारी शक्ति वैश्विक स्तर पर शहरी जीवन को नया रूप दे रही है। जनोन्मुखी स्मार्ट शहर का निर्माण केन्द्रित थीम शहरी और डिजिटल दोनों तरह के बदलावों से चिह्नित इस युग में, नागरिकों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने और महत्वपूर्ण शहरी चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिजिटल तकनीकी समाधानों और डेटा को तेजी से अपनाने पर बल देती है। सशक्त समुदाय, समृद्ध शहर को बल देते हुए यह दिवस समुदायों को जागरूक, सहयोगी और आत्मनिर्भर करने की पहल है ताकि शहर वास्तव में विकसित, संस्कृतिमय और समृद्ध बन सकें। आज जब पूरी दुनिया तीव्र गति से शहरीकरण की ओर बढ़ रही है, तब यह दिवस आत्ममंथन का अवसर बन गया है कि क्या हमारे शहर केवल कंक्रीट की इमारतों और चकाचौंध का विस्तार बन रहे हैं या उनमें मानवीय संवेदनाओं, संस्कृति, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक समरसता का पोषण भी हो रहा है। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शहरीकरण का एक नया मॉडल प्रस्तुत हुआ है, जिसने शहरों के विकास को केवल भौतिक संरचनाओं तक सीमित न रखकर जीवन मूल्यों और नागरिक सहभागिता से जोड़ा है। अमृत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्मार्ट शहर योजना और स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं ने शहरों के ढांचे में नई चेतना का संचार किया है। शहरीकरण का अर्थ केवल ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और चमकदार बाजार नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें जीवन स्तर, विचार और व्यवहार की गुणवत्ता निहित होती है। शहरों ने मनुष्य को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा दी है, लेकिन इसी के साथ प्रदूषण, भीड़, तनाव, अपराध, असमानता और मानवीय रिश्तों की दूरी भी दी है। हर बड़ा शहर आज सांस लेने के लिए हवा, पीने के लिए स्वच्छ पानी और जीने के लिए शांति तरस रहा है। विकास के नाम पर प्रकृति का ह्रास हो रहा है और भौतिक प्रगति के साथ मानसिक थकान बढ़ रही है। भारत के प्राचीन नगर जैसे काशी, उज्जैन, पुष्कर और अयोध्या केवल केंद्र नहीं थे, वे संस्कृति, अध्यात्म और सह-अस्तित्व की जीवंत प्रयोगशालाएं थे। आज के नगर यदि इन मूल्यों को फिर से अपनाएं तो वे केवल आधुनिक ही नहीं, मानवीय भी बन सकते हैं।

गुलाबीनगर ग्रुप का मनोरंजन कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल गुलाबीनगर ग्रुप का मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गुलाबीनगर ग्रुप के परम् सरंक्षक अनिल जैन आईपीएस, ग्रुप अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील बज, कोषाध्यक्ष निर्मल उषा सेठी, राजेंद्र छाबडा, विनय अजमेरा, देवेंद्र चित्रा जैन, कैलाश शशि पाटनी, अशोक छाबडा, महावीर चादवाड, विनोद झाँझरी, चंद्रप्रकाश छाबडा व अन्य सदस्यों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक सुशीला बड़जात्या व सुनील सुमन बज ने मनोरजंक हाऊजी खिलाई एवम ताश के पतों से बहुत सुंदर मनोरंजक गेम्स खिलाया। दिनाँक 9 व 10 नवम्बर को बिरला ऑडोटोरियम में 30 घंटे का लगातार मोटिवेशनल स्पीच श्री सौरभ जैन द्वारा दिया जायेगा। जिसमे ग्रुप के अधिक से अधिक संख्या में सदस्यों को कम से कम 2 घंटे कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिये कहा। अंत मे सुशीला बड़जात्या ने सभी सदस्यों का कार्यक्रम में सम्मिलित होकर सफल बनाने के लिये धन्यवाद व आभार प्रकट किया।

सिद्धचक्र की पूजन देती है महान फल - गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री 1008 शीतलनाथ दिगम्बर जैन मंदिर शीतलधाम, भोपाल के तत्वावधान में सिद्धचक्र महामण्डल विधान के अंतर्गत आज दूसरे दिन की आराधना संपन्न हुई। जिसमें 16 अर्घ्य चढ़ाकर सिद्ध भगवान का गुणगान किया गया। आज की प्रथम शांतिधारा करने का सौभाग्य मुकेश जैन एवं द्वितीय शांतिधारा सौरभ जैन के द्वारा की गई। मंगल व शीतलमय वातावरण से सभी भक्तों का मन उत्साह से भर गया, जब गुरु माँ का पदार्पण मंदिर जी में हुआ। गुरुमाँ के मुखारविंद से शांतिधारा का पुण्यमयी वाचन किया गया। तत्पश्चात गुरुमाँ के करकमलों में शास्त्र भेंट कर सभी भक्तगण हर्षायें । पूज्य माताजी के आशीर्वाद से सौधर्म इन्द्र परिवार ने मंदिर जी के लिए कुआं निर्माण की घोषणा कर दी। सभी श्रद्धालुगण ज्ञान के पिपासु से बन गये। गुरुमाँ के एक-एक वचन को हृदयांगन कर लिया। माताजी ने पुण्यमयी विधान की महिमा को समझाते हुए कहा कि- सारे विधानों का सार यह सिद्धचक्र विधान है। जिसमें सभी विधान समाहित हो जाते है। जो भव्य जीव तन और मन की शुद्धि पूर्वक इस विधान को करता है, उसे तात्कालिक फल की प्राप्ति होती है। यह महापूजा महान फल देने वाली है। जीवन में कुछ प्राप्त करो या ना करो परंतु अपने द्रव्य से एक बार श्री सिद्धचक्र विधान जरूर करना। सभी भक्तों को आर्यिका संघ की आहारचर्या कराने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। शाम को मंगल मय आरती गाजे-बाजे के साथ पुण्यार्जक परिवार के निवास स्थान से आकर मंदिर जी में सम्पन्न हुई। तत्पश्चात धर्म सभा व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद सभी को प्राप्त हुआ ।

गोधा परिवार द्वारा सम्मेद शिखर यात्रा रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

पीपलाई निवासी बाबूलाल गोधा एवं श्रीमती उर्मिला गोधा के सान्निध्य में सम्मेद शिखर जी यात्रा जयपुर स्टेशन से शुरू हुई । दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान महिलांचल अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका ने बताया कि पीपलाई निवासी बाबूलाल गोधा एवं श्रीमती उर्मिला गोधा के सान्निध्य में परिवार के कुल 125 सदस्य शाश्वत सम्मेद शिखरजी तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए। इस पवित्र यात्रा में दिपु-शिखा गोधा, जितेन्द्र-एकता गोधा, पुत्र एवं पुत्र वधु सीमा-नीतेश जैन एवं ममता-मनीष जैन बेटी दामाद सहित पूरा गोधा परिवार सम्मिलित हुआ है। संपूर्ण गोधा परिवार के सहयोग से आगामी कार्यक्रम इस प्रकार से रहेगा। श्रीमती शकुंतला बिंदायका एवं सम्यक ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष महावीर बिन्दायका के साथ-साथ सभी ने बाबूलाल उर्मिला गोधा का बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

मेजबान केबीएचए ने जय भवानी अकादमी को दी शिकस्त

आज आयोजित होंगे फाइनल मुकाबले

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। कस्बे में चल रही 48वीं सीनियर राज्य स्तरीय हँडबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन गुरुवार को क्वार्टर फाइनल के रोमांचक मुकाबले हुए। प्रदेश के अनेक जिलों से आए महिला और पुरुष वर्ग के खिलाड़ियों ने मैदान में जमकर पसीना बहाया। दर्जनों अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी टीमों को विजयी बनाने के लिए पूरा दमखम लगाया। क्वार्टर फाइनल मैचों में दर्शकों की तालियों ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और मैदान पर रोमांच चरम पर रहा। टीम के कोच प्रियदीप सिंह ने बताया कि पुरुष वर्ग के प्रमुख मुकाबले में श्री गंगानगर ने डूंगरपुर को 25- 11 से हराया। इस दौरान राजस्थान पुलिस टीम ने राजसमन्द को 34-31 से पराजित किया। कृपा बाबा अकादमी श्रीमहावीरजी ने जय भवानी अकादमी को 21-19 मात दी। जयपुर टीम ने आरएसएससी अकादमी को 34- 30 से शिकस्त देकर अगले चरण ने जगह बनाई साथ ही महिला वर्ग में भी रोमांचित मुकाबले खेले गए महिला वर्ग में पहला मुकाबले में जयपुर ने सीकर को 26-11से, राजस्थान पुलिस ने आरएसएससी को 19-10 से, श्रीगंगानगर ने हनुमान गढ़ को 29-15 से शिकस्त दी। चुरू ने भीलवाड़ा को 21-02से हराया। महिला वर्ग के मुकाबलों में भी जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। दर्शकों की भारी संख्या और उनकी तालियों ने खिलाडियों की हौसला अफजाई की। तीसरे दिन के मुख्य अतिथि रमाकांत अवस्थी साथ ही टी आर कंसाना कैप्टन सिरमोहर, संतराम मीना व्याख्याता अमृत लाल मीणा स्थानीय गणमान्य लोग मौके पर मौजूद थे। आज आयोजित होंगे फाइनल ओर सेमीफाइनल मुकाबले-48 वी सीनियर वर्ग हैंडबॉल प्रतियोगिता ने शुक्रवार को पहले सत्र में महिला पुरुष दोनों वर्गों में सेमीफाइनल मैच आयोजित होंगे, जहां खिलाड़ी अपना पूरा दमखम दिखाएंगे। फाइनल मुकावले द्वितीय सत्र में को खेले जाएंगे। सीनियर वर्ग की राज्य स्तरीय हँडबॉल प्रतियोगिता में शुक्रवार को फाइनल मैच होंगे। साथ ही दोपहर में प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित होंगा जिसके मुख्य अतिथि भारतीय हैंडबॉल संघ के महासचिव डॉक्टर तेजराज सिंह, विशिष्ट अतिथि यशप्रताप सिंह होंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कलाल बांसवाड़ा होंगे।

गुरु अंबेश दीक्षा शताब्दी गुणगान महोत्सव में गूंजी श्रद्धा, तप और त्याग की भावना

दीक्षा महापुरुषों की नहीं, समाज को दिशा देने वाला प्रकाशपुंज है: महासती विद्याश्री

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। शांतिभवन में चातुमार्सार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा आदि ठाणा के सान्निध्य में चल रहे शताब्दी वषार्वास चातुर्मास के तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम दिन, गुरुवार को गुरु अंबेश दीक्षा शताब्दी गुणगान महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और तप-त्याग की भावना से मनाया गया। महासती विद्याश्री ने कहा कि गुरु अंबेश जैसी विभूतियों की दीक्षा केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाला एक प्रकाशपुंज है। उन्होंने आगे कहा कि गुरु की शिक्षाएँ सेवा, त्याग और सदाचार का वास्तविक अर्थ सिखाती हैं। यह शताब्दी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और संयम के नव संकल्प का अवसर है। महासती ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे गुरु अंबेश की शिक्षाओं को आचरण में उतारकर समाज में सद्भाव, सहअस्तित्व और करुणा का संदेश फैलाएँ।

दिवाली स्नेह मिलन 'स्पार्कल फिएस्टा' में झलका उत्साह और उमंग का रंग

जीतो भीलवाड़ा लेडिज विंग द्वारा वुमेन बिजनेस नेटवर्किंग एवं सदस्यता विस्तार पर हुई चर्चा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। जीतो भीलवाड़ा लेडिज विंग द्वारा दिवाली स्नेह मिलन 'स्पार्कल फिएस्टा' का भव्य आयोजन सुखाड़िया नगर स्थित चौधरी डांगी जीतो हाउस में किया गया। नवकार महामंत्र के साथ प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में 150 से अधिक सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लेडिज विंग की चेयरपर्सन नीता बाबेल ने सभी का स्वागत करते हुए विंग द्वारा अब तक आयोजित विविध गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं चीफ सेक्रेटरी अर्चना पाटोदी ने सदस्य संख्या बढ़ाने और महिलाओं के बिजनेस नेटवर्क को सशक्त बनाने हेतु किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी का आभार जताया। इस अवसर पर लेडिज विंग के नए सदस्यों का स्वागत भी किया गया। जीतो भीलवाड़ा चैप्टर के निशांत जैन ने बी2बी और वुमेन बिजनेस नेटवर्क से जुड़ी जीतो की योजनाओं की जानकारी देते हुए सदस्यों से इनसे अधिकाधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विक्रांत ने बताया कि मनोरंजन से भरपूर इस मिलन समारोह में सदस्याओं ने अंताक्षरी, डांस, गायन, रैंप वॉक और अन्य खेलों में भाग लेकर खूब आनंद लिया। सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली विजेताओं को सम्मानित किया गया। निर्णायक की भूमिका संतोषदेवी सिंघवी और मंजू पोखरना ने निभाई। वनिता बाबेल और श्वेता हिरण ने बताया कि समारोह का विशेष आकर्षण बोर्ड सदस्यों का समूह नृत्य रहा, जिसने सभी का दिल जीत लिया। वहीं अमिता बाबेल, नीता बाबेल, मोनिका रांका, लाड़जी मेहता, सोनल मेहता, सोनिका सिंघवी और ज़िम्मी जैन की बॉलीवुड थीम प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर जीतो भीलवाड़ा चेप्टर चेयरमैन मीठालाल सिंघवी, मुख्य सचिव मनीषकुमार जैन, त्रिलोकचंद छाबड़ा, निश्चल जैन और निशांत जैन सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

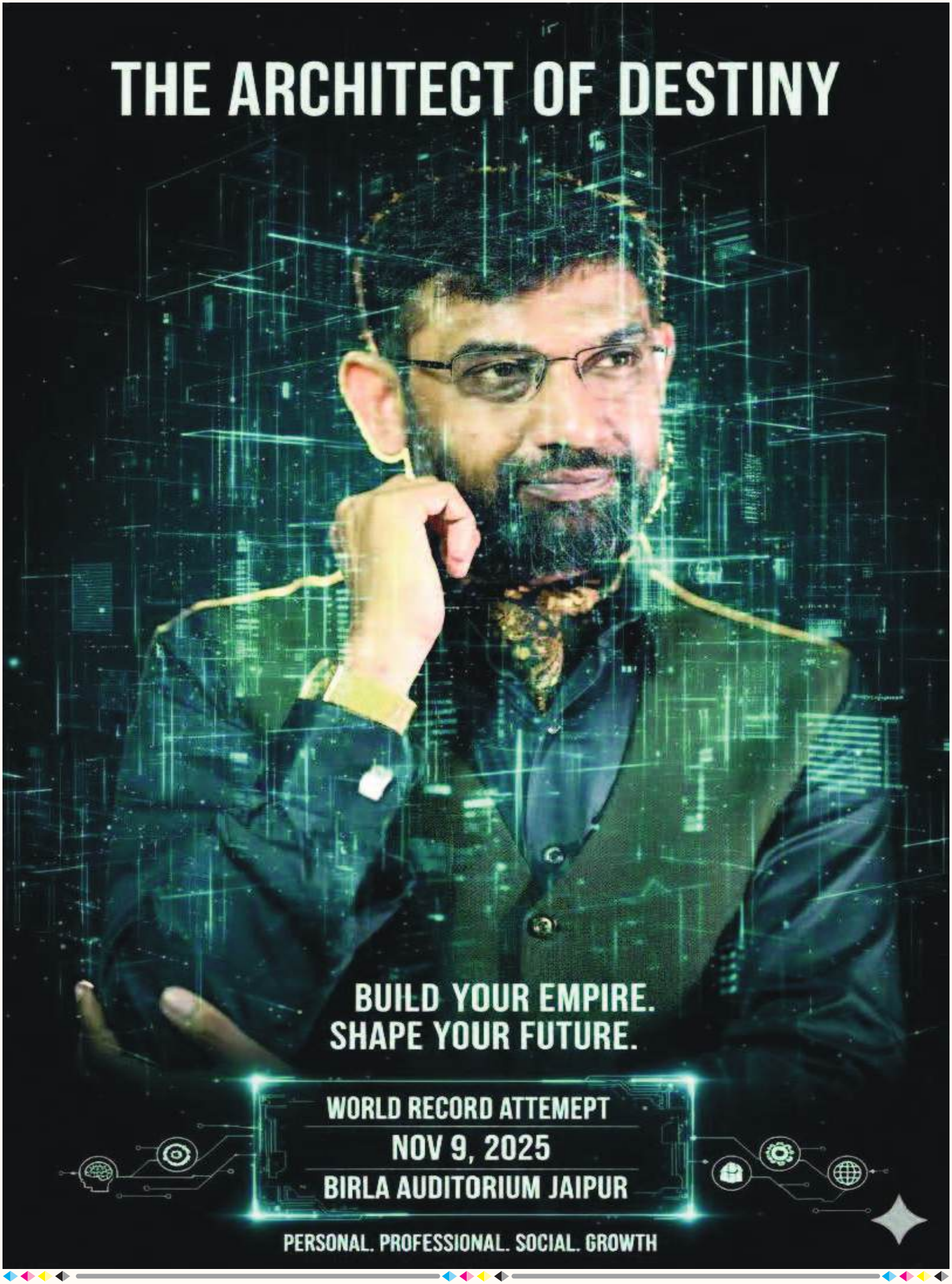
THE ARCHITECT OF DESTINY
BUILD YOUR EMPIRE.
SHAPE YOUR FUTURE.
WORLD RECORD ATTEMEPT
NOV 9, 2025
BIRLA AUDITORIUM JAIPUR
PERSONAL. PROFESSIONAL. SOCIAL. GROWTH

भगवान के समवशरण ओर मान स्तंभ को देखकर मान ओर मिथ्यात्व नष्ट होता हैं : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

टोंक. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री ने सहस्त्रनाम विधान की पूजा नंबर 6 की जयमाला में सहस्त्रनाम विधान में समवशरण का वैभव बताया कि भगवान अनंत दर्शन ,ज्ञान, सुख वीर्य, चतुष्टय निधियुक्त हैं उनका वैभव समवशरण में गणधर उनकी स्तुति में थक जाते हैं समवशरण 12 योजन का होता है जो कमल आकार में इंद्र नीलमणि से निर्मित है। समवशरण जमीन से 20000 हाथ ऊंचा अति शोभनीय होता है एक-एक सीढ़ी एक हाथ ऊंची होती है । यह समवसरण की दिव्य भूमि,12 योजन की होती हैं। यह भूमि कमल आकार इन्द्र नीलमणि निर्मित बीस हजार ऊंचा समवसरण का बाह्य भाग, जो अनुपम शोभायमान है। समवशरण की विशेषता में पंगू ,अन्धे रोगी बालक, और वृद्ध सभी जन अंतर्मुहर्त में चढ़ जाते।उनमें चारों दिशामें ऊपर, सिद्धों की प्रतिमाएं विराजित होती है ये अस्सी कोशों तक अपना प्रकाश फैलाते हैं। मान स्तंभ का दर्शन कर अभिमान मिथ्यात्व नष्ट होता हैं ।वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी संघ सानिध्य में परम पूज्य गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित सहस्त्र नाम विधान की पूजन 1008 श्री पारसनाथ जिनालय आदर्श नगर में चल रही है। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने चढ़ाए जाने वाले अर्ध्य में भगवान के गुणों का महत्व बताते हुए बताया कि भगवान के 1008 नाम से गुणानुवाद इस पूजन में किया गया है। इस विधान में 11 ग्यारह पूजाएं हैं 1008 अर्ध्य है और 12 जयमाला है। राजेश पंचोलिया गजराज लोकेश ओर संजय संघी अनुसार पूज्य माताजी ने सन 1994 टिकेटनगर चातुर्मास के दौरान इस विधान की रचना की और 60 वे अवतरण वर्ष शरद पूर्णिमा 19 अक्टूबर को पूर्ण कर भगवान श्री पारसनाथ के चरणों में समर्पित किया। एक संयोग है कि टोंक अतिशय क्षेत्र में भी 1008 श्री पारसनाथ भगवान के समक्ष श्री सहस्त्रनाम विधान की पूजन चयनित इंद्र परिवार द्वारा की जा रही है। आज 3 पूजन में 300 अर्घ समर्पित किए गए।

राजेश पंचोलिया इंदौर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

भक्ति,आनंद और आस्था के संगम इंद्रध्वज विधान के सातवें दिन उमड़ी श्रद्धा की अनूठी छटा

आगरा. शाबाश इंडिया

श्री इंद्रध्वज महामंडल विधान के सातवें दिन गुरुवार को एम.डी. जैन इंटर कॉलेज ग्राउंड हरी पर्वत का वातावरण भक्ति,उल्लास और दिव्यता से नहाया नजर आया। आचार्यश्री चैत्य सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में स्व.स्वरूपचंद जैन मारसंस की पावन स्मृति में चल रहे इस आयोजन में श्रद्धालु प्रभु भक्ति में झूम उठे।प्रातःकाल श्रीजी का अभिषेक और अष्टद्रव्य पूजन विधानाचार्य डॉ. आनंदप्रकाश जैन शास्त्री के मंगल पाठ के साथ सम्पन्न हुई। उपस्थित इंद्र इंद्राणियों ने 458 चैत्यालयों में 458 जिनप्रतिमाओं के समक्ष अर्घ्य अर्पित कर आत्मिक शांति और श्रद्धा का अनुभव किया।सांयकाल भक्ति संगीत के सुरों पर श्रद्धालु नृत्य करते हुए प्रभु आराधना में लीन नजर आए। आरती के समय पूरे परिसर में दीपों की रौशनी से वातावरण और भी पवित्र हो उठा। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि इस विधान का समापन 3 नवंबर को विश्व शांति महायज्ञ के साथ होगा । इस मौके पर बिमलेश कुमार जैन, नितिन जैन, आदित्य जैन,ऊषा जैन मेघना जैन, शुभी जैन,संजय जैन,अंजू जैन, अमित सेठी,अशोक जैन,राजेन्द्र जैन,हुकम जैन,अजीत जैन,शुभम जैन समस्त जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट : शुभम जैन

जैन बैंकर्स की पहल पर छात्राओं को सरस्वती माताजी का प्रेरक उद्बोधन

ट्रस्ट कमिटी एवं महिला मंडल दुर्गापुरा की रही सक्रिय भागीदारी

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान राज्य सरकार के निर्देशों के अनुरूप दुगार्पुरा जैन मंदिर में चातुर्मास रत गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी के द्वारा वर्तमान पीढ़ी का सर्वांगीण विकास कार्यक्रम पर 150 से अधिक महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, दुगार्पुरा की छात्राओं के समक्ष अपना ज्ञानवर्धक, विचारशील उद्बोधन दिया। अपने 45 मिनट के प्रवचन में वास्तविक धर्म क्या है, समय के सदुपयोग का क्या महत्व है, अच्छे विद्यार्थियों में पांच लक्षणों के बारे में संस्कृत के इस श्लोक के माध्यम से चर्चा की । काक चेष्टा, बको ध्यानं, श्वान निद्रा तथैव च। अल्पाहारी, गृहत्यागी, विद्यार्थी पंचलक्षणम् ॥ अर्थात कौवे जैसे नया सीखने की कोशिश, बगुले जैसा केंद्रित ध्यान; कुत्ते जैसी जागरूक नींद; कम भोजन यानी आलस्य से दूर एवं घर का त्याग - सीखने में अग्रणी आदि समीचीन विषयों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं की जिज्ञासा शांत की। इससे पूर्व प्राचार्य श्रीमती नीति आहूजा, प्रकाश चांदवाड़, रेखा लुहाड़िया आदि द्वारा चंद्रप्रभ की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन किया। रानी सौगानी द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया साथ ही समाज के वयोवृद्ध पूर्व प्राचार्य गुलाब चंद गंगवाल द्वारा छात्राओं को लगन एवं मेहनत से जीवन में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया।इस अवसर पर प्राचार्य, अध्यापक गण, ट्रस्ट कमेटी के सदस्य गण, , महिला मंडल दुगार्पुरा एवं समाज की महिलाओं सहित समाज के प्रबुद्धजनो की सहभागिता रही। कार्यक्रम में राजेंद्र कला, नरेश बाकलीवाल, सुनील संगही, आनन्द अजमेरा, नेमी निगोतिया, जयकुमार बिंदायका, भागचंद पाटनी, गिरीश बड़जात्या, हुकम चंद बाकलीवाल, रेखा पाटनी, रेणु पांड्या, वर्षा अजमेरा, माया संगही, नीतू बाकलीवाल, मनोरमा बाकलीवाल, रजनी बोहरा, छवि बिंदायका आदि की गरिमामय भागीदारी रही। कार्यक्रम संयोजक जैन बैंकर्स फोरम से सुभाष जैन, जितेंद्र जैन, सुरेश जैन, एस सी जैन, भाग चन्द जैन मित्रपुरा की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम को मूर्तरूप देने में दुगार्पुरा जैन मंदिर ट्रस्ट कमेटी एवं महिला मंडल की पूर्णरूपेण भूमिका रही। प्राचार्या श्रीमती नीति आहूजा ने बच्चों के उज्जवल भविष्य, सर्वांगीण विकास, भारतीय संस्कृति के पोषण एवं सभी धर्मों के बारे में जानकारी के लिए सरकार की उत्कृष्ट पहल बताई। जैन समाज से इस तरह के कार्यक्रम समय समय आयोजित करने हेतु आग्रह किया एवं आयोजकों को धन्यवाद दिया।

उत्कृष्ट नंदी महाराज का हुआ पहली बार नगर आगमन

आचार्य सुंदर सागर महाराज एवं आचार्य इंद्रनंदी महाराज के संघों का हुआ मिलन

जयपुर । 30 अक्टूबर - आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 31 अक्टूबर से आयोजित होने वाले पांच दिवसीय भगवती जिन दीक्षा महोत्सव के नजदीक आते ही महोत्सव स्थल पर देश प्रदेश से दिगम्बर जैन मुनि महाराजों का आना शुरू हो गया है । इसी क्रम में गुरुवार को प्रातः मालपुरा से चलकर इंद्र नंदी महाराज के शिष्य निर्भय नंदी महाराज एवं उत्कृष्ट नंदी महाराज चित्रकूट कॉलोनी जैन मंदिर पहुंचे । इसी प्रकार आर्यिका माताजी सुरम्य मति माताजी भी फागी से पहुंची । चित्रकूट कॉलोनी के रहने वाले प्रकाश चंद दो वर्ष पूर्व मुनि उत्कृष्ट सागर बने थे उसके बाद पहली बार आज स्व नगर में पहुंचे तो श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा । अपने साथ वर्षों रहने वाले श्रावक को मुनि रूप में देखकर हर व्यक्ति रोमांचित हो रहा था । इस मौके पर मंदिर समिति की ओर से मुनि संघों के पाद पक्षालन एवं आरती कर भव्य अगवानी की गई। दुल्हन सा सजा चित्रकूट नगर महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है । भव्य पांडाल बनकर तैयार हो गया है । पूरा नगर केसरिया झंडों से नगर की आभा अलग ही नजर आ रही है हर व्यक्ति अपनी भूमिका के लिए तैयार है । गुरुवार को महोत्सव समिति के गौरव अध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद के साथ मंदिर समिति अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा, मंत्री मूलचंद पाटनी , संयोजक सुनील जैन , कैलाश सोगानी, प्रशासनिक संयोजक महावीर सुरेन्द्र जैन, नवयुवक मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र सोगानी, महिला मंडल अध्यक्ष बबीता सोगानी सहित अन्य पदाधिकारियों ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। **विनोद जैन कोटखावदा: मुख्य समन्वयक प्रचार-प्रसार**

दुल्हन सा सजा चित्रकूट नगर...

पांच दिवसीय भगवती जिन दीक्षा महोत्सव का आज मांगलिक मेंहदी उत्सव से होगा आगाज

आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में

31 अक्टूबर से 4 नवम्बर तक होगा संयम का उत्सव - भगवती जिन दीक्षा महोत्सव - जयपुर बनेगा सात जैनेश्वरी दीक्षा का साक्षी

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर की पुण्य धरा पर दिगम्बर जैन आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में सांगानेर की चित्रकूट कालोनी के कवर का बाग में होने वाले 5 दिवसीय जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव का मांगलिक मेंहदी उत्सव से भव्य आगाज होगा। इस मौके पर दीक्षार्थियों के साथ सभी इन्द्र इन्द्राणियों के हाथों में मेंहदी रचाई जाएगी। आचार्य श्री के सानिध्य में महोत्सव के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन किया गया। भगवती जिन दीक्षा महोत्सव समिति के गौरव अध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद एवं अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा ने बताया कि सांगानेर थाना क्षेत्र की चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में प्रवासरत आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मिया बजाज की गली स्थित कंवर का बाग में 31 अक्टूबर से भगवती जिन दीक्षा महोत्सव का आगाज होगा जो 4 नवम्बर तक चलेगा। इस दौरान पूरे विश्व से लाखों श्रद्धालु इस महोत्सव के साक्षी बनने जयपुर में एकत्रित होंगे। भगवती जिन दीक्षा महोत्सव समिति के गौरव अध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद एवं अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा ने बताया कि इस दौरान शुक्रवार, 31 अक्टूबर को चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः 7.00 बजे दीक्षार्थियों द्वारा श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा के बाद जिनेन्द्र देव पूजा भक्ति की जाएगी। दोपहर 1.00 बजे से सुन्दर सागर सभागार में हल्दी उत्सव मनाया जाएगा जिसमें श्रावक श्राविकाओं द्वारा दीक्षार्थियों के हल्दी लगाई जाएगी। सायंकाल 5.30 बजे से आगम युक्त जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम होगा। सायंकाल 6.30 बजे से दीक्षार्थियों के हाथों में मेंहदी रचाई जाएगी। मुख्य समन्वयक प्रचार-प्रसार विनोद जैन कोटखावदा एवं प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन ने बताया कि शनिवार, 1 नवम्बर को प्रातः 7.00 बजे अभिषेक, शांतिधारा , गुरू पूजा के आयोजन किये जाएंगे। प्रातः 7.30 बजे मंदिर जी से महोत्सव स्थल कंवर का बाग के लिए बैण्ड बाजों के साथ विशाल शोभायात्रा रवाना होगी। शोभायात्रा में श्री जी रथ पर विराजमान होकर तथा आचार्य श्री ससंघ एवं त्यागी व्रती पैदल शामिल होंगे।

सौधर्म इन्द्र, कुबेर, चक्रवर्ती, महायज्ञनायक सहित सभी इन्द्र - इन्द्राणी बग्गियों में बैठकर शामिल होंगे। कंवर का बाग में प्रातः 8.15 बजे झण्डारोहण, पाण्डाल उदघाटन के बाद श्री जी को मंच पर विराजमान किया जाएगा। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में गुरु पूजा के बाद आचार्य सुन्दर सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। दोपहर में 1.00 बजे सभी दीक्षार्थियों की गोद भराई कार्यक्रम होगा। सायंकाल 4.00 बजे से 5.00 बजे तक आगम युक्त जिज्ञासा समाधान होगा। सायंकाल 6:30 बजे बैण्ड बाजों के साथ गुलाबी नगरी में दीक्षार्थियों की विशाल बिंदोरी निकाली जाएगी। इससे पूर्व कवर का बाग में जैन बन्धुओं द्वारा सभी सातों दीक्षार्थियों की मंत्रोच्चार के साथ गोद भराई की जाएगी। मंदिर समिति के मंत्री मूल चन्द पाटनी एवं दीक्षा महोत्सव के मुख्य संयोजक सुनील जैन लोहेवाला ने बताया कि रविवार, 2 नवम्बर को प्रातः 7 :15 बजे से अभिषेक, शांतिधारा के बाद संगीतमय गणधर विलय विधान पूजा का भव्य आयोजन होगा। इस विधान पूजा में बडी संख्या में इन्द्र - इन्द्राणी शामिल होंगे। इसी दिन वात्सल्य रत्नाकरआचार्य 108 विमल सागर महाराज का 64वां दीक्षा दिवस मनाया जाएगा। रात्रि में दीक्षार्थी विदाई समारोह के बाद जयपुर में पहली बार प्रसिद्ध गायक विक्की डी पारीख की भजन संध्या होगी। कोषाध्यक्ष महेन्द्र सोगानी एवं संयोजक राहुल सिंघल ने बताया कि सोमवार, 3 नवम्बर को दीक्षा का मुख्य आयोजन होगा । प्रातः 7.45 बजे शोभायात्रा के साथ दीक्षार्थियों का कवर का बाग में भव्य मंगल प्रवेश होगा। प्रातः 8.00 बजे आचार्य श्री सुन्दर सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। 11.15 बजे से जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव कार्यक्रम होगा जिसमें सातों दीक्षार्थियों के दीक्षा संस्कार किये जाएंगे। नवयुवक मंडल के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेन्द्र सोगानी एवं संयोजक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि मंगलवार, 4 नवम्बर को दीक्षित साधुओं एवं आर्यिका माताजी,क्षुल्लक, क्षुल्लिका के रूप में प्रथम आहार चर्या होगी। विधान में बैठने वाले इन्द्र-इन्द्राणियों के लिए धोती दुपट्टे, शुद्ध भोजन आदि की व्यवस्था रहेगी। विस्तृत जानकारी के लिए 94140 54571, 94147 69596, 98290 62289,98292 97487, 98290 12217 पर सम्पर्क किया जा सकता है। महोत्सव शामिल होने के लिए 2 एवं 3 नवम्बर को जयपुर की सभी कालोनियों से बसों की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। मुख्य संयोजक चातुर्मास कैलाश सोगानी एवं महामंत्री ओमप्रकाश कटारिया ने बताया कि आयोजन में मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा, सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर,राज्य सभा सासंद घनश्याम तिवाड़ी, सासंद मंजू शर्मा, सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक, कई विधायक काली चरण सराफ, महापौर डॉ सौम्या गूर्जर एवं पार्षदों के साथ राजनीतिक शख्सियतें भी शामिल होगी। महिला मण्डल की अध्यक्ष बबीता सोगानी ने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज 50 से अधिक जैनेश्वरी दीक्षा दे चुके हैं।

विनोद जैन कोटखावदा
मुख्य समन्वयक प्रचार-प्रसार
एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन
प्रशासनिक समन्वयक